Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006

Participants : Mohale Shri Punnulal

>

Title : Need to declare birth anniversary of Guru Ghasidas falling on 18th December as National Holiday.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर) : उपाध्यक्ष जी, छत्तीसगढ़ प्रात में जन्मे संत बाबा गुरू घासीदास जी के नाम पर 18 दिसम्बर को सार्वजनिक छुट्टी घोाित की जाए। उक्त संत जी का जन्म 18 दिसम्बर 1756 को ग्राम गिरोधपुरी जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) में हुआ था। उन्होंने छूआछूत के भेदभाव को मिटाया, ऊंच-नीच की ई को पाटने के लिए सफल कार्य किया तथा गरीब लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारने तथा समाज में फैली हुई तत्कालीन बुराइयों को मिटाने के लिए प्रयास कर एक सतनाम पंथ का निर्माण किया तथा 6 माह तक गिरोधपुरी के जंगल में कठिन तपस्या की। उनके नाम पर 18 दिसम्बर को मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक छुट्टी घोाित की गयी है। पूरे देश में लगभग 10 लाख से 30 लाख तक उनके अनुयाई फैले हुए हैं, जो सतनामी समाज के नाम से जाने जाते हैं। उनके अनुयाइयों की भावना को ध्यान में रखते हुए 18 दिसम्बर को पूरे देश में सार्वजनिक छुट्टी घोाित की जाए जिससे उनके अनुयायी और श्रद्धालु लोग संत बाबा गुरू घासीदास को अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित कर सकें। संत बाबा गुरू घासीदास जी के जन्म दिवस 18 दिसम्बर को पूरे देश में राट्रीय छुट्टी एवं उक्त संत के नाम से गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए।